



## Naxalism In India Essay in Hindi

**Naxalism In India Essay in Hindi:-** भारत, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और सबसे अधिक आबादी वाला लोकतांत्रिक देश होने के नाते, भविष्य की महाशक्ति बनने की काफी संभावनाएं हैं। हालांकि, इस तेजी से बढ़ते वैश्वीकृत वातावरण में, भारत को अपनी सुरक्षा के लिए कई खतरों का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा नक्सलवाद को भारत के लिए सबसे बड़े आंतरिक सुरक्षा खतरे के रूप में पहचाना गया है। समस्या के जटिल और संरचनात्मक कारण इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं।

### Long and Short Essays on Naxalism In India for Kids and Students in Hindi

नीचे '[भारत में नक्सलवाद](#)' विषय पर छात्रों और बच्चों के लिए अंग्रेजी में दो निबंध लंबे और छोटे दोनों रूपों में दिए गए हैं। पहला निबंध भारत में नक्सलवाद पर 400-500 शब्दों का एक लंबा निबंध है। भारत में नक्सलवाद के बारे में यह लंबा निबंध कक्षा 7, 8, 9 और 10 के छात्रों और प्रतियोगी परीक्षा के उम्मीदवारों के लिए भी उपयुक्त है। दूसरा निबंध भारत में नक्सलवाद पर 150-200 शब्दों का एक लघु निबंध है। ये कक्षा 6 और उससे नीचे के छात्रों और बच्चों के लिए उपयुक्त हैं।

### Short Essay on Naxalism In India Hindi 200 Words

नीचे हमने [Essay on Naxalism In India Hindi](#) कक्षा १, २, ३, ४, ५ और ६ के लिए एक संक्षिप्त निबंध दिया है। इस विषय पर यह लघु निबंध कक्षा ६ और उससे नीचे के छात्रों के लिए उपयुक्त है। नक्सली समस्या के कारणों की जटिलता के साथ-साथ आंतरिक और बाहरी सुरक्षा दोनों के लिए इसके निहितार्थ एक ऐसे समाधान को दर्शाते हैं जो बहुआयामी है और केंद्र सरकारों और राज्यों के बीच तालमेल की मांग करता है। नक्सली खतरे को व्यापक रूप से समाप्त करने के लिए सरकार को इसके मूल कारणों को दूर करना होगा। सामाजिक-आर्थिक अलगाव और बढ़ती आर्थिक और राजनीतिक असमानता के साथ असंतोष केवल सैन्य बल द्वारा हल नहीं किया जाएगा, जो कि सरकार द्वारा नियोजित मुख्य साधन प्रतीत होता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि नक्सल समूह मुख्य रूप से भूमि और आजीविका के मुद्दों को उठाते रहे हैं, यह महत्वपूर्ण है कि भूमि सुधारों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए। राज्यों को सड़कों, भवनों, पुलों, रेलवे लाइनों, संचार और बिजली आदि जैसे भौतिक बुनियादी ढांचे पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। इस खाते में किसी भी देरी को रोकने के लिए कोई जगह नहीं है। दुर्भाग्य से, नक्सलियों के साथ अब तक कई दौर की बातचीत और माफी और आकर्षक पुनर्वास योजनाओं की घोषणाओं ने अब तक काम नहीं किया है। आंध्र प्रदेश जैसे कुछ राज्यों की पुनर्वास नीति अच्छी है और इसने कुछ सफलता हासिल की है, लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

सरकार वास्तव में नक्सल समस्या का सही तरीके से समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह राज्य स्तर पर स्थापित खुफिया तंत्र में सुधार लाने, राज्यों को अपने पुलिस बलों को आधुनिक बनाने और प्रशिक्षित करने और प्रभावित क्षेत्रों में विकास में तेजी लाने के लिए सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

नक्सलियों की चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर बेहतर समन्वय की जरूरत है। हमें यह महसूस करना चाहिए कि नक्सल आंदोलन पूर्वोत्तर या कश्मीर विद्रोहियों की तरह अलगाववादी आंदोलन नहीं है। ये हमारे ही लोग हैं जो अपना हक और हक मांग रहे हैं।

## Essay on Naxalism In India in Hindi

'नक्सल' शब्द का नाम पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी गाँव से लिया गया है, जहाँ 1967 में चारु मजूमदार और कानू सान्याल के नेतृत्व में आंदोलन की शुरुआत हुई थी।

यह विभिन्न कम्युनिस्ट गुरिल्ला समूहों के माध्यम से राज्य को अस्थिर करने के लिए हिंसा के उपयोग को संदर्भित करता है।

नक्सली वामपंथी कट्टरपंथी कम्युनिस्ट हैं जो चीनी क्रांतिकारी नेता माओत्से तुंग की शिक्षाओं से अपनी राजनीतिक विचारधारा प्राप्त करते हैं। वे सत्तर के दशक की शुरुआत से देश के विभिन्न हिस्सों में काम कर रहे हैं।

समय-समय पर उन क्षेत्रों में सक्रिय नक्सली समूहों द्वारा की गई खुलेआम हिंसा से देश के विभिन्न क्षेत्र गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने नक्सलवाद को आज देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। खतरा लंबे समय से मौजूद है, हालांकि कई उतार-चढ़ाव आए हैं।

### नक्सलवाद/माओवाद/वामपंथी उग्रवाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि:

इतिहास वामपंथी विचारधाराओं से प्रेरित ज्यादातर किसान वर्ग द्वारा शासक अभिजात वर्ग के खिलाफ हिंसा की बार-बार होने वाली घटनाओं का गवाह रहा है।

इन हिंसक आंदोलनों के लिए वैचारिक आधार मार्क्स और एंगेल्स के लेखन द्वारा प्रदान किया गया था। इस विचारधारा को सामान्यतः साम्यवाद/मार्क्सवाद कहा जाता है।

इसे बाद में लेनिन और माओ त्से-तुंग (माओत्से तुंग) ने समर्थन दिया। वामपंथी विचारधाराओं का मानना है कि एक अभिजात्य/पूंजीवादी समाज में सभी मौजूदा सामाजिक संबंध और राज्य संरचनाएं स्वभाव से शोषक हैं और केवल हिंसक साधनों के माध्यम से एक क्रांतिकारी परिवर्तन ही

इस शोषण को समाप्त कर सकता है। मार्क्सवाद एक हिंसक वर्ग संघर्ष के माध्यम से पूंजीवादी बुर्जुआ तत्वों को हटाने की वकालत करता है।

माओवाद एक सिद्धांत है जो सशस्त्र विद्रोह, सामूहिक लामबंदी और रणनीतिक गठबंधनों के संयोजन के माध्यम से राज्य की सत्ता पर कब्जा करना सिखाता है।

माओ ने इस प्रक्रिया को 'दीर्घ जनयुद्ध' कहा। माओवादी विचारधारा हिंसा का महिमामंडन करती है और इसलिए, माओवादी उग्रवाद सिद्धांत के अनुसार, 'हथियार उठाना गैर-परक्राम्य है'।

माओवाद मूल रूप से औद्योगिक-ग्रामीण विभाजन को पूंजीवाद द्वारा शोषित एक प्रमुख विभाजन के रूप में मानता है। माओवाद उस समतावाद का भी उल्लेख कर सकता है जिसे माओ के युग के दौरान मुक्त बाजार की विचारधारा के विपरीत देखा गया था।

माओवाद का राजनीतिक झुकाव 'शोषक वर्गों और उनकी राज्य संरचनाओं के खिलाफ बहुसंख्यक लोगों के क्रांतिकारी संघर्ष' पर जोर देता है।

इसकी सैन्य रणनीतियों में गुरिल्ला युद्ध की रणनीति शामिल है, जो ग्रामीण इलाकों के आसपास के शहरों पर केंद्रित है, जिसमें समाज के निचले वर्गों की सामूहिक भागीदारी के माध्यम से राजनीतिक परिवर्तन पर भारी जोर दिया गया है। 'राजनीतिक शक्ति बंदूक की नली से निकलती है' माओवादियों का प्रमुख नारा है। वे छापामार युद्ध में शामिल होकर ग्रामीण आबादी के बड़े हिस्से को स्थापित संस्थानों के खिलाफ विद्रोह करने के लिए लामबंद करते हैं।

माओवाद अब एक वैचारिक आंदोलन नहीं रह गया है। माओवादी अब एक भय मनोविकृति पैदा कर रहे हैं और आदिवासियों को लोकतंत्र और विकास से वंचित कर रहे हैं।

सीमावर्ती क्षेत्रों में हिंसक आधार के साथ राजनीतिक जन आंदोलनों के विपरीत, नक्सली अपने स्वयं के एक संप्रभु स्वतंत्र राज्य की स्थापना के लिए भारतीय संघ से अलग होने की कोशिश नहीं करते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य तथाकथित स्थापित करने के लिए सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से राजनीतिक शक्ति पर कब्जा करना है। जनता की सरकार'

नक्सलवाद के चरण:

माओवादियों ने अपनी विचारधारा को बहुत व्यवस्थित और चरणबद्ध तरीके से इस प्रकार फैलाया:

मैं। प्रारंभिक चरण:

महत्वपूर्ण लोगों, महत्वपूर्ण सार्वजनिक मुद्दों की पहचान करने वाले नए क्षेत्रों का विस्तृत सर्वेक्षण, जिन पर जनता को लामबंद किया जा सकता है।

द्वितीय परिप्रेक्ष्य चरण:

फ्रंटल संगठनों के माध्यम से लामबंदी - स्थानीय जनता की शिकायतों के आधार पर सरकार / प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करना।

1. गुरिल्ला चरण:

जन आंदोलन को हिंसक गुरिल्ला युद्ध में बदलना।

1. आधार चरण:

यहां माओवादी अपना आधार स्थापित करने की कोशिश करते हैं और गुरिल्ला क्षेत्र को मुक्त क्षेत्र में बदल देते हैं।

1. मुक्त चरण:

जनता की सरकार की स्थापना।

Long Essay on Naxalism In India 500 Words in Hindi

नीचे हमने Long Essay on Naxalism In India in Hindi पर 500 शब्दों का एक लंबा निबंध दिया है जो कक्षा 7, 8, 9 और 10 और प्रतियोगी परीक्षा के उम्मीदवारों के लिए सहायक है।  
विषय पर यह लंबा निबंध कक्षा 7 से कक्षा 10 के छात्रों के लिए और प्रतियोगी परीक्षा के उम्मीदवारों के लिए भी उपयुक्त है।

नक्सल आंदोलन भविष्य में भारत के लिए सबसे बड़ी समग्र चिंता भी प्रस्तुत करता है, क्योंकि यह भारत के शासन, राजनीतिक संस्थानों और सामाजिक-आर्थिक संरचना की विभिन्न अंतर्निहित कमजोरियों को उजागर करता है। नक्सलवाद आज भारत की सबसे बड़ी समस्या है क्योंकि यह अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और विदेशी मामलों, इसके नागरिकों और कानून के शासन सहित कई क्षेत्रों को प्रभावित करता है।  
नक्सल समस्या के बहुआयामी पहलू को देखते हुए खतरे से निपटने के लिए त्रि-आयामी दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। यह सैन्य बलों, सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ-साथ सभी पक्षों के बीच संवाद के बीच संतुलन की मांग करता है।

भारतीय माओवादी आंदोलन, जिसे लोकप्रिय रूप से नक्सल आंदोलन के रूप में जाना जाता है, भारत में व्यापक कम्युनिस्ट आंदोलन से उत्पन्न हुआ।

नक्सल/नक्सलवाद/नक्सली शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल राज्य के दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी गाँव से हुई है, जहाँ से 1967 में माओवादियों के नेतृत्व में किसान विद्रोह शुरू हुआ था।

नक्सली विद्रोह का नेतृत्व चारु मजूमदार (मुख्य विचारक) ने किया था। , कानू सान्याल (किसान नेता) और जंगल संधाल (आदिवासी नेता)।

चीनी मीडिया ने नक्सल आंदोलन को 'वसंत की गड़गड़ाहट' के रूप में वर्णित किया जो तेजी से देश के अन्य हिस्सों में फैल गया और राष्ट्र की कल्पना को पकड़ लिया।

आंदोलन फिर भी चारु मजूमदार की मृत्यु और 1972 में कानू सान्याल और जंगल संधाल की गिरफ्तारी के बाद थम गया।

हालाँकि, 1980 के दशक में आंध्र में पीपुल्स वार ग्रुप (PWG) और माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (MCC) द्वारा आंदोलन को पुनर्जीवित किया गया था। बिहार में। नक्सलियों को वर्तमान में भारतीय कम्युनिस्टों में सबसे कट्टरपंथी समूह माना जाता है।

माओवादी आंदोलन की सफलता भारतीय राज्य के कुछ हिस्सों की अपने आदर्श कार्यों और जिम्मेदारियों को पूरा करने की कमजोरी में गहराई से निहित है।

यद्यपि भारत, अन्य पूर्व उपनिवेश राज्यों की तुलना में, राज्य का एक शक्तिशाली तंत्र विकसित करने में सक्षम था, राज्य नियंत्रण अपनी अवधारणा के संदर्भ में बड़े हिस्से में अनिश्चित बना हुआ है।

राज्य प्रशासन विशेष रूप से उन क्षेत्रों में है जो कम विकसित हैं जो नक्सली हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित हैं। यह तथ्य अन्य बातों के साथ-साथ छोटे राज्य के बजट, कम नौकरशाही दक्षता के साथ-साथ प्रचलित भ्रष्टाचार से परिलक्षित होता है।

कुछ दूरदराज के इलाके भी हैं जहाँ राज्य का वर्चस्व लगभग पूरी तरह से अनुपस्थित है। कमजोर शासन की विशेषता वाले इन क्षेत्रों में, पारंपरिक प्रकार के शासन कायम रहने में सक्षम थे। उच्च जातियों, जमींदारों और कर्जदारों जैसे सामाजिक अभिजात वर्ग ग्रामीण आबादी पर हावी हैं और उनके शोषण से लाभान्वित होते हैं। इन क्षेत्रों में राज्य-सहायता प्राप्त ग्रामीण विकास कार्यक्रम अक्सर समाज की तह तक नहीं पहुँच पाते हैं और इसके बजाय जमींदारवाद की दृढ़ता में योगदान करते हैं।

2013 में, सरकार ने देश के 26 जिलों को अत्यधिक नक्सल प्रभावित के रूप में पहचाना, जहाँ पिछले तीन वर्षों में 80% हिंसा हुई थी।

जिले सात माओवादी प्रभावित राज्यों - छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में फैले हुए हैं। भारत में कई जिलों या देश में नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र पर कुछ बहस हुई।

हिंसा की तीव्रता के आधार पर ये संख्या 60 से 200 प्लस तक भिन्न-भिन्न रही है। साथ ही योजना आयोग के साथ-साथ गृह मंत्रालय, मंत्रालय द्वारा विकास और सुरक्षा के लिए विशेष निधियों के आवंटन के कारण कम प्रभावित जिलों को राज्यों द्वारा नक्सल नियंत्रण के तहत घोषित किया गया था, देश में 83 ऐसे जिले थे की पहचान मुख्य रूप से सात सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में की गई है जैसा कि उल्लेख किया गया है।